Page I

Date - 29-4-2020

The details of Materials for UG students of VKSU, Ara are given below

BA (Part II) Psychology (H) Paper D

(Research Methodology)

Topic: characteristics or criteria of a good research hypothesis.

जब कोई शोधकर्ता किसी शोध समस्या का प्रतिपादन कर उसके समाधान हेतु आगे बढ़ता है तो शोधकर्ताओं के मन में बनने वाली प्राक्कल्पनाएँ कौन अच्छी है या कौन अच्छी नहीं है इसका निर्णय शोधकर्ता कैसे करेगा? मनोवैज्ञानिकों ने कहा है कि अच्छे शोध प्राक्कल्पना की पहचान उसकी कुछ कसौटियों (criteria) विशेषताओं के आधार पर की जा सकती है। जो निम्नलिखित है।

(1) प्राक्कल्पना को जाँचनीय होना चाहिए। (Hypothesis should be testable) — कोई भी शोध प्राक्कल्पना की जाँच के पश्चात निश्चित रूप से कहा जाय कि वह अच्छा या नहीं। जाँचनीय प्राक्कल्पनाएँ ... वैसी प्राक्कल्पना है जो ...

Page 2

है के साथ कहा जाता है कि सही या गलत है। मैकग्यूगन (McGuigan, 1990) ने कहा है कि प्राक्कल्पना किसी एक प्रस्ताव के रूप में व्यक्त किया जाता है तो वह प्राक्कल्पना जाँचनीय मानी जाती है। अगर यह निर्धारित करना संभव नहीं है कि प्रस्ताव सही है या गलत है प्राक्कल्पना को जाँचनीय नहीं माना जाता है। अतः उसे स्वीकार नहीं किया जाता है।

(2) अध्ययन किये जाने वाले क्षेत्र कि अन्य प्राक्कल्पनाओं का बनाई गई प्राक्कल्पना के साथ तालमेल होना चाहिए — यदि शोधकर्ता द्वारा तैयार की गई प्राक्कल्पना क्षेत्र की अन्य प्राक्कल्पनाओं के अनुकूल है तो उसे एक अच्छी प्राक्कल्पना समझा जाता है परन्तु यदि प्राक्कल्पना क्षेत्र के अन्य ज्ञानों एवं प्राक्कल्पनाओं के विरोधी न होकर उनके अनुकूल होती है तो उसे एक अच्छी प्राक्कल्पना मानी जाती है।

(3) प्राक्कल्पना को मितव्ययी होना चाहिए — प्राक्कल्पना में मितव्ययिता से तात्पर्य इस बात से होता है कि उसका स्वरूप ऐसा हो जिसकी जाँच करने में कम से कम समय एवं कम खर्च हो, तथा अधिक से अधिक सुविधा प्राप्त हो

Page 3

(4) प्राक्कल्पना में तार्किक पूर्णता तथा व्यापकता का गुण होना चाहिए। —— मनोवैज्ञानिक शोध तथा शैक्षिक शोध कुछ प्राक्कल्पनाएँ ऐसी होती हैं जिनसे शोध समस्या का प्रमाण उत्तर सीधे मिल जाता है क्योंकि वह अपने आप रूप से तार्किक काफी व्यापक होता है।

(5) प्राक्कल्पना के क्षेत्र के मौजूदा सिद्धान्त एवं तथ्यों से संबंधित होना चाहिए - किसी प्राक्कल्पना को उत्तम होने के लिए यह आवश्यक है कि उसे एक क्षेत्र के मौजूदा किसी सिद्धान्त एवं तथ्य से संबंधित होना चाहिए। कभी-कभी शोधकर्ता ऐसी प्राक्कल्पना विकसित कर लेता है जो उसके लिए काफी दिलचस्प होता है परन्तु वह किसी सिद्धान्त या तथ्य से संबंधित नहीं होता है ऐसी प्राक्कल्पना वैज्ञानिक दृष्टिकोण से उत्तम नहीं होता है। उदाहरण के लिए यदि कोई शोधकर्ता यह प्राक्कल्पना तैयार करता है कि शरीर के रंग (गोरा, काला, साँवला आदि) में विभिन्नता होने से व्यक्ति के बुद्धि में परिवर्तन होता है तो शोधकर्ता के लिए यह रोचक हो परन्तु वह वैज्ञानिक दृष्टिकोण से उत्तम नहीं होगा।

(6) प्राक्कल्पना से अधिक अनुमित किया जाना संभव होना चाहिए तथा स्वरूप सामान्य होना चाहिए।— एक अच्छी

प्राक्कल्पना की एक विशेषता यह है कि उनका स्वरूप विशिष्ट न होकर सामान्य होना चाहिए। बहुत अधिक सामान्य तथा अधिक विशिष्ट प्राक्कल्पना उत्तम नहीं माना जाता है यदि प्राक्कल्पना बीचों बीच की होती उसे उत्तम माना जाता है क्योंकि इससे अधिकतम यथार्थ अनुमिति (relevant deductions) प्राप्त हो जाती है जिनसे एक ही साथ और एक ही बार में कई तथ्यों की व्याख्या हो जाती है

~~मैक्ग्यूगन (McGuigan, 1990) ने~~

(7) प्राक्कल्पना को प्राप्य वैज्ञानिक परीक्षणों एवं उपकरणों से संबंधित होना चाहिए। प्राक्कल्पना में प्रस्तावित चरों के एक ही इनके मापक के लिए जो वैज्ञानिकों के पास जो यन्त्र उपलब्ध हो जाता ऐसा, नहीं होता है तो उस प्राक्कल्पना में प्रस्तावित चरों की माप नहीं की जा सकती है तब प्राक्कल्पना की जाँच संभव नहीं हो पाता है।

(8) प्राक्कल्पना को संप्रत्यात्मक रूप से स्पष्ट होना चाहिए। अर्थात प्राक्कल्पना में व्यवहृत संप्रत्यय वस्तुनिष्ठ ढंग से परिभाषित हो तथा परिभाषा ऐसी हो जिनसे स्पष्ट अर्थ निकलती है

Page No.:
Date:

तथा यह अधिकतर लोगों को मान्य

इस तरह हम देखते हैं कि शोध मनोवैज्ञानिकों ने शोध प्राक्कल्पना की कुछ ऐसी कसौटि[illegible] या विशेषताओं का वर्णन किया है जिनके आधार पर एक अच्छी शोध प्राक्कल्पना की पहचान की जा सकती है।

Date-29/4/2020

Kumar Patil
Assistant professor
Department of Psycho[illegible]
Maharaja College, Ara.